



:: प्रधान आयुक्त (अपील्स) का कार्यालय, वस्तु एवं सेवा कर और केन्द्रीय उत्पाद शुल्क::
O/O THE PRINCIPAL COMMISSIONER (APPEALS), GST & CENTRAL EXCISE



द्वितीय तल, जी एम टी भवन / 2nd Floor, GST Bhavan

रेस कोर्स रिंग रोड / Race Course Ring Road

राजकोट / Rajkot - 360 001

Tele Fax No. 0281 - 2477952/2441142 Email: cexappealsrajkot@gmail.com

सत्यमेव जयते

रजिस्टर्ड डाक ए. डी. द्वारा :-

क	अपील / फाइल संख्या / Appeal / File No.	मूल आदेश सं / O.I.O. No.	दिनांक / Date:
	V2/47/GDM/2018-19	04/Assistant Commissioner/2018-19	24.07.2018
ख	अपील आदेश संख्या (Order-In-Appeal No.)-		

KCH-EXCUS-000-APP-068-2019

आदेश का दिनांक / Date of Order:	24.06.2019	जारी करने की तारीख / Date of issue:	26.06.2019
------------------------------------	-------------------	--	-------------------

कुमार संतोष, प्रधान आयुक्त (अपील्स), राजकोट द्वारा पारित /

Passed by Shri Kumar Santosh, Principal Commissioner (Appeals), Rajkot.

अपर आयुक्त/ संयुक्त आयुक्त/ उपायुक्त/ सहायक आयुक्त, केन्द्रीय उत्पाद शुल्क/ सेवाकर/ वस्तु एवं सेवाकर, राजकोट / भावनगर / गांधीधाम द्वारा उपरलिखित जारी मूल आदेश से सृजित: /

Arising out of above mentioned OIO issued by Additional/Joint/Deputy/Assistant Commissioner, Central Excise/ST / GST, Rajkot/Bhavnagar/Gandhidham :

घ अपीलकर्ता & प्रतिवादी का नाम एवं पता /Name & Address of the Appellants & Respondent :-

**M/s Solaris Chemtech Industries Ltd., Khavda, Marine Chemicals,
Complex, Village : Khavda, Taluka : Bhuj (Kutchh)**

इन आदेश(अपील) में व्यथित कोई व्यक्ति निम्नलिखित तरीके में उपयुक्त प्राधिकारी / प्राधिकरण के समक्ष अपील दायर कर सकता है।/
Any person aggrieved by this Order-in-Appeal may file an appeal to the appropriate authority in the following way.

(A) सीमा शुल्क, केन्द्रीय उत्पाद शुल्क एवं सेवाकर अपीलीय न्यायाधिकरण के प्रति अपील, केन्द्रीय उत्पाद शुल्क अधिनियम, 1944 की धारा 35B के अंतर्गत एवं वित्त अधिनियम, 1994 की धारा 86 के अंतर्गत निम्नलिखित जगह की जा सकती है।
Appeal to Customs, Excise & Service Tax Appellate Tribunal under Section 35B of CEA, 1944 / Under Section 86 of the Finance Act, 1994 an appeal lies to:-

(i) वर्गीकरण मूल्यांकन में सम्बन्धित सभी मामले सीमा शुल्क, केन्द्रीय उत्पाद शुल्क एवं सेवाकर अपीलीय न्यायाधिकरण की विशेष पीठ, वेस्ट ब्लॉक नं 2, आर.के. पुरम, नई दिल्ली, को की जानी चाहिए। /
The special bench of Customs, Excise & Service Tax Appellate Tribunal of West Block No. 2, R.K. Puram, New Delhi in all matters relating to classification and valuation.

(ii) उपरोक्त परिच्छेद 1(a) में बताया गए अपीलों के अलावा शेष सभी अपीलें सीमा शुल्क, केन्द्रीय उत्पाद शुल्क एवं सेवाकर अपीलीय न्यायाधिकरण (सिस्टेट) की पश्चिम क्षेत्रीय पीठिका, द्वितीय तल, बहुमाली भवन असावा अहमदाबाद- 380016 को की जानी चाहिए। /

To the West regional bench of Customs, Excise & Service Tax Appellate Tribunal (CESTAT) at, 2nd Floor, Bhaumali Bhawan, Asarwa Ahmedabad-380016 in case of appeals other than as mentioned in para- 1(a) above

(iii) अपीलीय न्यायाधिकरण के समक्ष अपील प्रस्तुत करने के लिए केन्द्रीय उत्पाद शुल्क (अपील) नियमवाली, 2001, के नियम 6 के अंतर्गत निर्धारित किए गये प्रपत्र EA-3 को चार प्रतियों में दर्ज किया जाना चाहिए। इनमें से कम से कम एक प्रति के साथ, जहां उत्पाद शुल्क की माँग, ब्याज की माँग और लगाया गया जुर्माना, रुपए 5 लाख या उससे कम, 5 लाख रुपए या 50 लाख रुपए तक अथवा 50 लाख रुपए से अधिक है तो क्रमशः 1,000/- रुपये, 5,000/- रुपये अथवा 10,000/- रुपये का निर्धारित जमा शुल्क की प्रति संलग्न करें। निर्धारित शुल्क का भुगतान, संबंधित अपीलीय न्यायाधिकरण की शाखा के सहायक रजिस्टार के नाम से किसी भी सार्वजनिक क्षेत्र के बैंक द्वारा जारी रेखांकित बैंक ड्राफ्ट द्वारा किया जाना चाहिए। संबंधित ड्राफ्ट का भुगतान, बैंक की उस शाखा में होना चाहिए जहां संबंधित अपीलीय न्यायाधिकरण की शाखा स्थित है। स्वयं आदेश (स्टे ऑर्डर) के लिए आवेदन-पत्र के साथ 500/- रुपए का निर्धारित शुल्क जमा करना होगा। /

The appeal to the Appellate Tribunal shall be filed in quadruplicate in form EA-3 / as prescribed under Rule 6 of Central Excise (Appeal) Rules, 2001 and shall be accompanied against one which at least should be accompanied by a fee of Rs. 1,000/- Rs.5000/-, Rs.10,000/- where amount of duty demand/interest/penalty/refund is upto 5 Lac., 5 Lac to 50 Lac and above 50 Lac respectively in the form of crossed bank draft in favour of Asst. Registrar of branch of any nominated public sector bank of the place where the bench of any nominated public sector bank of the place where the bench of the Tribunal is situated. Application made for grant of stay shall be accompanied by a fee of Rs. 500/-.

(B) अपीलीय न्यायाधिकरण के समक्ष अपील, वित्त अधिनियम, 1994 की धारा 86(1) के अंतर्गत सेवाकर नियमवाली, 1994, के नियम 9(1) के तहत निर्धारित प्रपत्र S.T.-5 में चार प्रतियों में की जा सकती एवं उसके साथ जिन आदेश के विरुद्ध अपील की गयी हो, उसकी प्रति साग में संलग्न करें (उनमें से एक प्रति प्रमाणित होनी चाहिए) और इनमें से कम से कम एक प्रति के साथ, जहां सेवाकर की माँग, ब्याज की माँग और लगाया गया जुर्माना, रुपए 5 लाख या उससे कम, 5 लाख रुपए या 50 लाख रुपए तक अथवा 50 लाख रुपए से अधिक है तो क्रमशः 1,000/- रुपये, 5,000/- रुपये अथवा 10,000/- रुपये का निर्धारित जमा शुल्क की प्रति संलग्न करें। निर्धारित शुल्क का भुगतान, संबंधित अपीलीय न्यायाधिकरण की शाखा के सहायक रजिस्टार के नाम से किसी भी सार्वजनिक क्षेत्र के बैंक द्वारा जारी रेखांकित बैंक ड्राफ्ट द्वारा किया जाना चाहिए। संबंधित ड्राफ्ट का भुगतान, बैंक की उस शाखा में होना चाहिए जहां संबंधित अपीलीय न्यायाधिकरण की शाखा स्थित है। स्वयं आदेश (स्टे ऑर्डर) के लिए आवेदन-पत्र के साथ 500/- रुपए का निर्धारित शुल्क जमा करना होगा। /

The appeal under sub section (1) of Section 86 of the Finance Act, 1994, to the Appellate Tribunal Shall be filed in quadruplicate in Form S.T.5 as prescribed under Rule 9(1) of the Service Tax Rules, 1994, and shall be accompanied by a copy of the order appealed against (one of which shall be certified copy) and should be accompanied by a fees of Rs. 1000/- where the amount of service tax & interest demanded & penalty levied of Rs. 5 Lakhs or less; Rs.5000/- where the amount of service tax & interest demanded & penalty levied is more than five lakhs but not exceeding Rs. Fifty Lakhs, Rs.10,000/- where the amount of service tax & interest demanded & penalty levied is more than fifty Lakhs rupees, in the form of crossed bank draft in favour of the Assistant Registrar of the bench of nominated Public Sector Bank of the place where the bench of Tribunal is situated. / Application made for grant of stay shall be accompanied by a fee of Rs.500/-.

- वित्त अधिनियम, 1994 की धारा 86 की उप-धाराओं (2) एवं (2A) के अंतर्गत दर्ज की गयी अपील, सेवाकर नियमवाली, 1994, के नियम 9(2) एवं 9(2A) के तहत निर्धारित प्रपत्र S.T.-7 में की जा सकेगी एवं उसके साथ आयुक्त, केन्द्रीय उत्पाद शुल्क अथवा आयुक्त (अपील), केन्द्रीय उत्पाद शुल्क द्वारा पारित आदेश की प्रतियाँ संलग्न करें (उनमें से एक प्रति प्रमाणित होनी चाहिए) और आयुक्त द्वारा सहायक आयुक्त अथवा उपायुक्त, केन्द्रीय उत्पाद शुल्क/सेवाकर, को अपीलीय न्यायाधिकरण को आवेदन दर्ज करने का निर्देश देने वाले आदेश की प्रति भी साथ में संलग्न करनी होगी। /

The appeal under sub section (2) and (2A) of the section 86 the Finance Act 1994, shall be filed in For ST.7 as prescribed under Rule 9 (2) & 9(2A) of the Service Tax Rules, 1994 and shall be accompanied by a copy of order of Commissioner Central Excise or Commissioner, Central Excise (Appeals) (one of which shall be a certified copy) and copy of the order passed by the Commissioner authorizing the Assistant Commissioner or Deputy Commissioner of Central Excise/ Service Tax to file the appeal before the Appellate Tribunal.

- (ii) सीमा शुल्क, केन्द्रीय उत्पाद शुल्क एवं सेवाकर अपीलीय प्राधिकरण (संस्टैट) के प्रति अपीलों के मामले में केन्द्रीय उत्पाद शुल्क अधिनियम 1944 की धारा 35एफ के अंतर्गत, जो की वित्तीय अधिनियम, 1994 की धारा 83 के अंतर्गत सेवाकर को भी लागू की गई है, इस आदेश के प्रति अपीलीय प्राधिकरण में अपील करते समय उत्पाद शुल्क/सेवा कर मांग के 10 प्रतिशत (10%), जब मांग एवं जुर्माना विवादित है, या जुर्माना, जब केवल जुर्माना विवादित है, का भुगतान किया जाए, बशर्ते कि इस धारा के अंतर्गत जमा कि जाने वाली अपेक्षित देय राशि दस करोड़ रुपये में अधिक न हो।

केन्द्रीय उत्पाद शुल्क एवं सेवाकर के अंतर्गत "मांग किए गए शुल्क" में निम्न शामिल है

- (xvi) धारा 11 डी के अंतर्गत रकम
(xvii) सेनवेट जमा की ली गई गलत राशि
(xviii) सेनवेट जमा नियमावली के नियम 6 के अंतर्गत देय रकम

- बशर्ते यह कि इस धारा के प्रावधान विनियम (सं. 2) अधिनियम 2014 के आरंभ से पूर्व किसी अपीलीय प्राधिकरण के मध्य विचाराधीन स्थान अर्थात् अपील को लागू नहीं होगा। /

For an appeal to be filed before the CESTAT, under Section 35F of the Central Excise Act, 1944 which is also made applicable to Service Tax under Section 83 of the Finance Act, 1994, an appeal against this order shall lie before the Tribunal on payment of 10% of the duty demanded where duty or duty and penalty are in dispute, or penalty, where penalty alone is in dispute, provided the amount of pre-deposit payable would be subject to a ceiling of Rs. 10 Crores,

Under Central Excise and Service Tax, "Duty Demanded" shall include :

- (xvi) amount determined under Section 11 D;
(xvii) amount of erroneous Cenvat Credit taken;
(xviii) amount payable under Rule 6 of the Cenvat Credit Rules

- provided further that the provisions of this Section shall not apply to the stay application and appeals pending before any appellate authority prior to the commencement of the Finance (No.2) Act, 2014.

- (C) भारत सरकार को पुनरीक्षण आवेदन :
Revision application to Government of India:
इस आदेश की पुनरीक्षण याचिका निम्नलिखित मामलों में, केन्द्रीय उत्पाद शुल्क अधिनियम, 1994 की धारा 35EE के प्रथम परंतुक के अंतर्गत अवर सचिव, भारत सरकार, पुनरीक्षण आवेदन ईकाई, वित्त मंत्रालय, राजस्व विभाग, चौथी मंजिल, जीवन दीप भवन, संसद मार्ग, नई दिल्ली-110001, को किया जाना चाहिए। /

A revision application lies to the Under Secretary, to the Government of India, Revision Application Unit, Ministry of Finance, Department of Revenue, 4th Floor, Jeevan Deep Building, Parliament Street, New Delhi-110001, under Section 35EE of the CEA 1944 in respect of the following case, governed by first proviso to sub-section (1) of Section-35B ibid:

- (i) यदि माल के किसी नुकसान के मामले में, जहां नुकसान किसी माल को किसी कारखाने में भंडार गृह के पारगमन के दौरान या किसी अन्य कारखाने या फिर किसी एक भंडार गृह से दूसरे भंडार गृह पारगमन के दौरान, या किसी भंडार गृह में या भंडारण में माल के प्रसंस्करण के दौरान, किसी कारखाने या किसी भंडार गृह में माल के नुकसान के मामले में। /

In case of any loss of goods, where the loss occurs in transit from a factory to a warehouse or to another factory or from one warehouse to another during the course of processing of the goods in a warehouse or in storage whether in a factory or in a warehouse

- (ii) भारत के बाहर किसी राष्ट्र या क्षेत्र को निर्यात कर रहे मानक विनोदमों में प्रयुक्त कच्चे माल पर भरी गई केन्द्रीय उत्पाद शुल्क क्रेडिट (रिवेड) के मामले में, जो भारत के बाहर किसी राष्ट्र या क्षेत्र को निर्यात की गयी है। /

In case of rebate of duty of excise on goods exported to any country or territory outside India of on excisable material used in the manufacture of the goods which are exported to any country or territory outside India.

- (iii) यदि उत्पाद शुल्क का भुगतान किए बिना भारत के बाहर, नेपाल या भूटान को माल निर्यात किया गया है। /

In case of goods exported outside India export to Nepal or Bhutan, without payment of duty.
सुनिश्चित उत्पाद के उत्पादन शुल्क का भुगतान के लिए जा झूटा क्रेडिट इन अधिनियम एवं इसके विभिन्न प्रावधानों के तहत मान्यता का गृह है और एम आदेश जो आयुक्त (अपील) के द्वारा वित्त अधिनियम (सं. 2), 1998 की धारा 109 के द्वारा नियत की गई तारीख अथवा नमायाविधि पर या बाद में पारित किए गए हैं। /

- (iv) Credit of any duty allowed to be utilized towards payment of excise duty on final products under the provisions of this Act or the Rules made there under such order is passed by the Commissioner (Appeals) on or after, the date appointed under Sec. 109 of the Finance (No.2) Act, 1998.

- (v) उपरोक्त आवेदन की दो प्रतियाँ प्रपत्र संख्या EA-8 में, जो की केन्द्रीय उत्पादन शुल्क (अपील) नियमावली, 2001, के नियम 9 के अंतर्गत विनोदित है, इस आदेश के संप्रेषण के 3 माह के अंतर्गत की जानी चाहिए। उपरोक्त आवेदन के साथ मूल आदेश व अपील आदेश की दो प्रतियाँ संलग्न की जानी चाहिए। साथ ही केन्द्रीय उत्पाद शुल्क अधिनियम, 1944 की धारा 35-EE के तहत निर्धारित शुल्क की अदायगी के साथ के तौर पर TR-6 की प्रति संलग्न की जानी चाहिए। /

The above application shall be made in duplicate in Form No. EA-8 as specified under Rule, 9 of Central Excise (Appeals) Rules, 2001 within 3 months from the date on which the order sought to be appealed against is communicated and shall be accompanied by two copies each of the OIO and Order-In-Appeal. It should also be accompanied by a copy of TR-6 Challan evidencing payment of prescribed fee as prescribed under Section 35-EE of CEA, 1944, under Major Head of Account.

- (vi) पुनरीक्षण आवेदन के साथ निम्नलिखित निर्धारित शुल्क की अदायगी का जाना चाहिए।
जहाँ संलग्न रकम एक लाख रुपये या उससे कम हो तो रुपये 200/- का भुगतान किया जाए और यदि संलग्न रकम एक लाख रुपये से ज्यादा हो तो रुपये 1000 -/ का भुगतान किया जाए। /

The revision application shall be accompanied by a fee of Rs. 200/- where the amount involved in Rupees One Lac or less and Rs. 1000/- where the amount involved is more than Rupees One Lac.

- (D) यदि इस आदेश में कई मूल आदेशों का समावेश है तो प्रत्येक मूल आदेश के लिए शुल्क का भुगतान, उपर्युक्त उंग से किया जाना चाहिए। इस तथ्य के होते हुए भी की लिखा पट्टी कार्य से बचने के लिए यथास्थिति अपीलीय न्यायाधिकरण को एक अपील या केन्द्रीय सरकार को एक आवेदन किया जाता है। / In case, if the order covers various numbers of order- in Original, fee for each O.I.O. should be paid in the aforesaid manner, not withstanding the fact that the one appeal to the Appellant Tribunal or the one application to the Central Govt. As the case may be, is filled to avoid scriptoria work if excising Rs. 1 lakh fee of Rs. 100/- for each.

- (E) यथासंशोधित न्यायालय शुल्क अधिनियम, 1975, के अनुसूची-1 के अनुसार मूल आदेश एवं स्थगन आदेश की प्रति पर निर्धारित 6.50 रुपये का न्यायालय शुल्क टिकिट लगा होना चाहिए। /

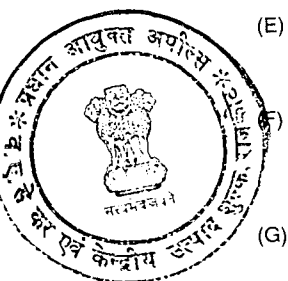
One copy of application or O.I.O. as the case may be, and the order of the adjudicating authority shall bear a court fee stamp of Rs. 6.50 as prescribed under Schedule-I in terms of the Court Fee Act, 1975, as amended.

- (F) सीमा शुल्क, केन्द्रीय उत्पाद शुल्क एवं सेवाकर अपीलीय न्यायाधिकरण (कार्य विधि) नियमावली, 1982 में वर्णित एवं अन्य संबंधित मामलों को सम्मिलित करने वाले नियमों की और भी ध्यान आकर्षित किया जाता है। /

Attention is also invited to the rules covering these and other related matters contained in the Customs, Excise and Service Appellate Tribunal (Procedure) Rules, 1982.

- (G) उच्च अपीलीय प्राधिकरणों को अपील दाखिल करने से संबंधित व्यापक, विस्तृत और नवीनतम प्रावधानों के लिए, अपीलार्थी विभागीय वेबसाइट www.cbec.gov.in को देख सकते हैं। /

For the elaborate, detailed and latest provisions relating to filing of appeal to the higher appellate authority, the appellant may refer to the Departmental website www.cbec.gov.in



:: ORDER IN APPEAL ::

The present appeal has been filed by M/s. Solaris Chemtech Industries Ltd., Khavda, Marine Chemicals, Complex, Village : Khavda, Taluka : Bhuj (Kutch) (hereinafter referred to as "the Appellant") against Order-in-Original No.04/Assistant Commr/2018 dated 24.7.2018 (hereinafter referred to as "the impugned order") passed by the Assistant Commissioner, Central GST, Division Bhuj, Bhuj. (hereinafter referred to as "the lower adjudicating authority").

2. The brief facts of the case are that CERA/audit found that the appellant had availed Cenvat credit of Rs.2,00,969/- of service tax paid on outward transportation charges for the clearance of their finished goods during the period from September, 2006 to August, 2007. Show Cause Notice dated 1.4.2010 was issued to the appellant demanding wrongly availed Cenvat credit of Rs. 2,00,969/-along with interest under Rule 14 of the Cenvat Credit Rules, 2004 (hereinafter referred to as "CCR) read with Section 11A and Section 11AA (for interest) of the Central Excise Act, 1944 (hereinafter referred to as "the Act") and imposing penalty under Rule 15 of CCR read with Section 11AC of the Central Excise Act, 1944. The show cause notice was adjudicated vide the impugned order confirming demand of Rs 2,00,969/- under Rule 14 of the Cenvat Credit Rules, 2004 read with Section 11A(4) of the Act; also ordered interest under Rule 14 of the CCR, 2004 read with Section 11AA of the Act and imposed penalty equal to cenvat credit involved under Rule 15 of CCR, 2004 read with Section 11AC of the Act.

3. Being aggrieved with the impugned order, the appellant preferred the present appeal on the grounds that the demand under Show Cause Notice is hit by limitation as Show Cause Notice was issued on 1.4.2010 for Cenvat credit availed from September, 2006 to August, 2007; that there is no suppression of facts with intent to evade payment of duty on their part; that ingredients to invoke the extended period are not available; that Show Cause Notice not invoked extended period and therefore, proceedings initiated are not proper and hence, the impugned order is required to be set aside; that due to peculiar nature of their finished goods (highly Acidic in nature) they sell their goods on F.O.R. basis only and therefore, ownership of the finished goods remains with them till the finished goods are delivered at the customer's premises; the place of removal is customer's premises and ultimate sale of goods take place at the destination point of the customers; that the appellant relied upon Para 8.2 of CBEC Circular No. 97/8/2007 dated 23.8.2007; that Hon'ble Punjab and Haryana High Court has held in the case of M/s. Ambuja Cement Ltd. that when



freight , transit insurance are borne by the assessee to delivery the goods at F.O.R. basis at customer's doorstep 'place of removal' is buyer's premises and Cenvat credit on such outward transportation is admissible; that the appellant relied upon following case-laws :-

- | | | |
|-------|----------------|--------------------------------|
| (i) | ABB Ltd. | 2009(15) STR 23(Tri-LB); |
| (ii) | Kandoi Fabrics | 2010 (250) ELT 557 (Tri-Ahmd); |
| (iii) | Daman Polyfab | 2010 (17) STR 389 (Tri-Del) |

4. Personal hearing in the matter was attended to by Shri Abhishek Darak, Chartered Accountant, who reiterated the grounds of appeal and submitted that the period involved in this case is from September, 2006 to August, 2007, i.e. prior to 2008 amendment in Rule 2(l) of the Cenvat Credit Rules, 2004; that their case is covered by the Hon'ble Apex Court judgement in the case of Mangalam Cement Ltd. reported as 2018 (16) GSTL J168 (S.C.); that since Cenvat credit is allowed, no interest is payable and no penalty is imposable on them; that appeal may therefore, be allowed by setting aside the impugned order.

FINDINGS :-

5. I have carefully gone through the facts of the case, impugned order, grounds of appeal and submissions made by appellant. The issue to be decided in the appeal is that whether the impugned order disallowing Cenvat credit of Service Tax paid on Outward transportation prior to 1.4.2008 is correct, legal and proper or not.

6. I find that definition of "input service" as provided under Rule 2(l) of Cenvat Credit Rules, 2004 at relevant time prior to 1.4.2018 read as under:-

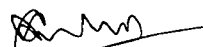
"Rule 2(l) defines "input services" to mean any service,-

- (i) used by a provider of output service for providing an output service; or
(ii) used by the manufacturer, whether directly or indirectly, in or in relation to the manufacture of final products and clearance of final products "from the place of removal",*

and includes services used in relation to setting up, modernization, renovation or repairs of a factory, premises of provider of output service or an office relating to such factory or premises, advertisement or sales promotion, market research, storage upto the place of removal, procurement of inputs, activities relating to business, such as accounting, auditing, financing, recruitment and quality control, coaching and training, computer networking, credit rating, share registry, and security, inward transportation of inputs or capital goods and outward transportation upto the place of removal.

(Emphasis supplied)

6.1 From the above, it is observed that "input service" means any service (including outward transportation of the finished goods) used by the manufacturer, whether directly or indirectly, in or in relation to manufacture of



final products and clearance of final products up to the place of removal. It is therefore very clear that as per main clause - the service should be used by the manufacturer which has direct or indirect relation with the manufacture of final products and clearance of final products from the place of removal and the inclusive clause permitted the outward transportation of the finished goods also upto the place of removal. As per the provisions of Section 4(3)(c) of Central Excise Act, 1944, "place of removal" means a factory or any other place or premises of production or manufacture of excisable goods; a warehouse or any other place of premises wherein the excisable goods have been permitted to be stored without payment of duty or a depot, premises of a consignment agent or any other place or premises from where the excisable goods are to be sold.

7. I find that the issue is no more *res integra*, in view of the judgment of Hon'ble Supreme Court in Departmental appeal against M/s. Vasavadatta Cements Ltd. reported as 2018(11) GSTL 3 (SC) holding as under :

"2. The entire issue hinges upon the interpretation that has to be given to input service which is defined in Rule 2(l) of the Cenvat Credit Rules, 2004. It may be stated at this stage itself that all these appeals relate to a period prior to 1-4-2008. The aforesaid Rule was amended w.e.f. 1-4-2008 as would be noticed hereafter. However, since we are concerned with the unamended Rule, we reproduce the same hereunder :

"(l) "input service" means any service, -

(i) used by a provider of taxable service for providing an output service; or

(ii) used by the manufacturer, whether directly or indirectly, in or in relation to the manufacture of final products and clearance of final products from the place of removal,

and includes services used in relation to setting up, modernization, renovation or repairs of a factory, premises of provider of output service or an office relating to such factory or premises, advertisement or sales, promotion, market research, storage upto the place of removal, procurement of inputs, activities relating to business, such as accounting, auditing, financing, recruitment and quality control, coaching and training, computer networking, credit rating, share registry and security, inward transportation of inputs or capital goods and outward transportation upto the place of removal;"

3. The Full Bench of CESTAT in M/s. ABB Limited case, which has been upheld by the Karnataka High Court as mentioned above, has interpreted the aforesaid Rule observing that it is in two parts. In the first part, input service is defined with the expression "means" and in that context input service is defined as any service used by a provider of a taxable service or providing an output service or used by the manufacturer, whether directly or indirectly, in or in relation to the manufacture of final products and clearance of final products "from the place of removal". It is further held that second part of the definition starts from "includes" where some of the services are mentioned, which are included as "input services".

4. We may make it clear that in the instant appeals, we are concerned with the first part of the definition. Insofar as second part is concerned, certain



contentions, which have been raised by some of the assesseees, have been rejected and that aspect is decided in favour of the Department. Since these appeals are filed by the Department questioning the interpretation that is given by the CESTAT as well as the High Court in respect of first part, we are not making any comments insofar as judgment of the CESTAT pertaining to second part is concerned.

5. Coming back to the first part of the definition as to what input service means, the Full Bench of the CESTAT held that all input services which are used by the manufacturer, whether directly or indirectly, in or in relation to manufacture of final products and clearance of final products from the place of removal are concerned, they are treated as input services and Cenvat credit in respect of expenditure incurred in relation to such services would be admissible. The expression with which the CESTAT was concerned, and which was the subject matter of discussion, was as to what would be the meaning of "from the place of removal". Obviously, any input service given for clearance of the final products "from the place of removal" and tax paid thereon the Cenvat credit has to be given. The question is from the place of removal up to what place. The assesseees had claimed the tax paid on the transportation of final products from the place of removal (i.e. the place of manufacture) to either the place to their respective depots or transport upto the place of the customers, if from the place of removal the goods were directly delivered at customers place. It is made clear that only first set of transportation from the place of removal was claimed. To put it otherwise, in those cases where the tax paid on transportation on the goods from the place of removal upto the place of depot only that was claimed and if there was any such tax again paid from the place of depot to the place of customers, the Cenvat credit thereof was not claimed and there is no dispute about it.

6. The aforesaid approach of the Full Bench of the CESTAT, as affirmed by the High Court, appears to be perfectly correct and we do not find any error therein. For the sake of convenience, we would like to reproduce the following discussion contained in the judgment of the High Court.

"30. The definition of 'input service' contains both the word 'means' and 'includes', but not 'means and includes'. The portion of the definition to which the word means applies has to be construed restrictively as it is exhaustive. However, the portion of the definition to which the word includes applies has to be construed liberally as it is extensive. The exhaustive portion of the definition of 'input service' deals with service used by the manufacturer, whether directly or indirectly, in or in relation to the manufacture of final products. It also includes clearance of final products from the place of removal. Therefore, services received or rendered by the manufacturer from the place of removal till it reaches its destination falls within the definition of input service. What are the services that normally a manufacturer would render to a customer from the place of removal? They may be packing, loading, unloading, transportation, delivery, etc. Though the word transportation is not specifically used in the said section in the context in which the phrase 'clearance of final products from the place of removal' is used, it includes the transportation charges. Because, after the final products has reached the place of removal, to clear the final products nothing more needs to be done, except transporting the said final products to the ultimate destination i.e. the customer's/buyer of the said product, apart from attending to certain ancillary services as mentioned above which ensures proper delivery of the finished product upto the customer. Therefore, all such services rendered by the manufacturer are included in the definition of 'input service'. However, as the legislature has chosen to use the word 'means' in this portion of the definition, it has to be construed strictly and in a restrictive manner. After defining the 'input service' used by the manufacturer in a restrictive manner, in the later portion of the definition, the legislature has used the word 'includes'. Therefore, the later portion of the definition has to be construed liberally. Specifically what are the



services which fall within the definition of 'input service' has been clearly set out in that portion of the definition. Thereafter, the words 'activities relating to business' - an omni-bus phrase is used to expand the meaning of the word 'input service'. However, after using the omni-bus phrase, examples are given. It also includes transportation. The words used are (a) inward transportation of inputs or capital goods (b) outward transportation upto the place of removal. While dealing with inward transportation, they have specifically used the words 'inputs' or 'capital goods'. But, while dealing with outward transportation those two words are conspicuously missing. The reason being, after inward transportation of inputs or capital goods into the factory premises, if a final product emerges, that final product has to be transported from the factory premises till the godown before it is removed for being delivered to the customer. Therefore, 'input service' includes not only the inward transportation of inputs or capital goods but also includes outward transportation of the final product upto the place of removal. Therefore, in the later portion of the definition, an outer limit is prescribed for outward transportation, i.e., up to the place of removal."

7. As mentioned above, the expression used in the aforesaid Rule is "from the place of removal". It has to be from the place of removal upto a certain point. Therefore, tax paid on the transportation of the final product from the place of removal upto the first point, whether it is depot or the customer, has to be allowed.

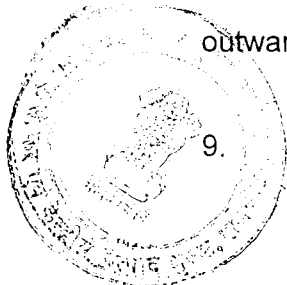
8. Our view gets support from the amendment which has been carried out by the rule making authority w.e.f. 1-4-2008 vide Notification No. 10/2008-C.E. (N.T.), dated 1-3-2008 whereby the aforesaid expression "from the place of removal" is substituted by "upto the place of removal". Thus from 1-4-2008, with the aforesaid amendment, the Cenvat credit is available only upto the place of removal whereas as per the amended Rule from the place of removal which has to be upto either the place of depot or the place of customer, as the case may be. This aspect has also been noted by the High Court in the impugned judgment in the following manner :

"Ho.vever, the interpretation placed by us on the words 'clearance of final products from the place of removal' and the subsequent amendment by Notification 10/2008-C.E. (N.T.), dated 1-3-2008 substituting the word 'from' in the said phrase in place of 'upto' makes it clear that transportation charges were included in the phrase 'clearance from the place of removal' upto the date of the said substitution and it cannot be included within the phrase 'activities relating to business'."

9. *In view of the aforesaid discussion we hold that the appeals are bereft of any merit and are accordingly dismissed."*
(Emphasis supplied)

8. In view of legal position, as it existed prior to 1.4.2008, and as held by the Hon'ble Supreme Court in the case of M/s. Vasavadatta Cements Ltd. *supra*, Cenvat Credit on GTA service availed by the appellant for outward transportation of the goods from place of removal to buyer's premises is admissible upto 1.4.2008. The period involved in this case is from September, 2006 to August, 2007, and hence, Cenvat credit of Service Tax paid on GTA for outward transportation of the goods cannot be denied.

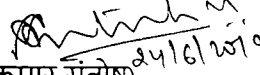
9. In view of above, I allow the appeal and set aside the impugned order.

9.1 अपीलकर्ता द्वारा दर्ज की गई अपील का निपटारा उपरोक्त तरीके से किया जाता है।

9.1 The appeal filed by the appellant is disposed off in above terms.




(कुमार संतोष) 24/6/2019
प्रधान आयुक्त(अपील्स)

R.P.A.D.

सेवामे,

M/s. Solaris Chemtech Industries Ltd.,
Khavda, Marine Chemicals Complex,
Village : Khavda,
Taluka : Bhuj (Kutch).

प्रति,

- १ प्रधान मुख्य आयुक्त, केन्द्रीय वस्तु एवं सेवा कर एवं केन्द्रीय उत्पाद शुल्क, गुजरात क्षेत्र, अहमदाबाद को जानकारी हेतु।
- २ आयुक्त, केन्द्रीय वस्तु एवं सेवा कर एवं केन्द्रीय उत्पाद शुल्क, गांधीधाम, कच्छ आयुक्तालय, कच्छ को आवश्यक कार्यवाही हेतु।
३. सहायक आयुक्त, केन्द्रीय वस्तु एवं सेवा कर एवं केन्द्रीय उत्पाद शुल्क, मण्डल -भुज, गांधीधाम, कच्छ को तुरंत आवश्यक कार्यवाही हेतु।
- ✓ ४. गार्ड फाइल

